PUBLIC SCHOOL DARBHANGA

सत्र (२०२०-२१)

हिंदी

बचपन

प्रश्न-अभ्यास

संस्मरण से

1. लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या-क्या काम करती थीं?
2. 'तुम्हें बताऊँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है।'– इस बात के लिए लेखिका क्या-क्या उदाहरण देती हैं?
3. पाठ से पता करके लिखो कि लेखिका को चश्मा क्यों लगाना पड़ा? चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें क्या कहकर चिढ़ाते थे?
4. लेखिका अपने बचपन में कौन-कौन-सी चीज़ें मज़ा ले-लेकर खाती थीं? उनमें से प्रमुख फलों के नाम लिखो।

संस्मरण से आगे

1. लेखिका के बचपन में हवाई जहाज़ की आवाज़ें, घुड़सवारी, ग्रामोफ़ोन और शोरूम में शिमला-कालका ट्रेन का मॉडल ही आश्चर्यजनक आधुनिक चीज़ें थीं। आज क्या-क्या आश्चर्यजनक आधुनिक चीज़ें तुम्हें आकर्षित करती हैं? उनके नाम लिखो।
2. अपने बचपन की कोई मनमोहक घटना याद करके विस्तार से लिखो।

अनुमान और कल्पना

1. सन् 1935-40 के लगभग लेखिका का बचपन शिमला में अधिक दिन गुज़रा। उन दिनों के शिमला के विषय में जानने का प्रयास करो।
2. लेखिका ने इस संस्मरण में सरवर के माध्यम से अपनी बात बताने की कोशिश की है, लेकिन सरवर का कोई परिचय नहीं दिया है। अनुमान लगाओ कि सरवर कौन हो सकता है?

Answers:

संस्मरण से

Solution 1

उम्र बढ़ने के साथ-साथ लेखिका के पहनावे में भी काफी बदलाव आए। पहले वे रंग-बिरंगे कपडे पहनती रही नीला-जामुनी-ग्रे-काला-चॉकलेटी। अब गहरे नहीं, हलके रंग पहनने लगी। पहले वे फॉक, फिर निकर-वॉकर, स्कर्ट, लहँगे, गरारे परंतु अब चूड़ीदार और घेरदार कुर्ते पहनने लगी। उम्र बढ़ने के साथ खाने में भी काफ़ी बदलाव आए।

Solution 2

लेखिका बचपन में इतवार की सुबह अपने मोजे धोती थी। उसके बाद अपने जूते पॉलिश करके चमकाती थी। इतवार की सुबह इसी काम में लगाती थी।

Solution 3

'तुम्हें बताऊँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है।' - यह कहकर लेखिका बताती है कि उन दिनों मनोरंजन के लिए कुछ घरों में ग्रामोफोन थे परंतु उसके स्थान पर आज हर घर में रेडियो और टेलीविजन देखने मिलता है। कुलफ़ी की जगह आइसक्रीम ने ले ली है। कचौड़ी-समोसा पैटीज में बदल गया है। शहतूत और फ़ाल्से और खसखस के शरबत का स्थान कोक-पेप्सी ने ले लिया है।

संस्मरण से आगे

Solution 1

लेखिका के चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें छेड़ते थे क्योंकि पहली बार चश्मा लगाने के कारण वह कुछ अजीब सी लग रही थीं।

उनके चचेरे भाई उन्हें छेडते थे कि -

आँख पर चश्मा लगाया
ताकि सूझे दूर की
यह नहीं लड़की को मालूम
सूरत बनी लंगूर की।

Solution 2

लेखिका बचपन में चाकलेट और चने जोर गरम और अनारदाने का चूर्ण मज़ा ले-लेकर खाती थीं। रसभरी, कसमल और काफ़ल उनके प्रिय फल थे।

अनुमान और कल्पना

Solution 1

लेखिका की तरह में भी में पहले फ्रॉक पहनती थी परंतु अब चूड़ीदार और कुर्ते पहनती हूँ।

Solution 2

आज मोबाइल, किन्डल, मेट्रो ट्रेन जैसी आधुनिक चीज़े मुझे आकर्षित करती हैं।